बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मे पशु स्वास्थ्य शिविर सह पशुपालक कृषक वैज्ञानिक वार्तालाप का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, लालगंज, बक्सर

(भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना)

कृषि विज्ञान केन्द्र (भारतीय कृषि अनसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना) लालगंज, बक्सर द्वारा संचालित "जलवायु समुत्थानशील कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार" परियोजना अन्तर्गत चयनित ग्राम कुकुढ़ा व भितिहरा प्रखंड–इटाढ़ी में क्रमशः **दिनांक 07 एवं 08 सितंबर 2021** को ***"पशु स्वास्थ्य शिविर सह पशुपालक कृषक वैज्ञानिक वार्तालाप"*** का आयोजन किया गया। वर्षा मौसम एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पशुओं मे मुख्यतः ***गला–घोंटू, खुरपका–मुँहपका, पाचन संबंधी*** व ***लंगड़ी*** रोगों का प्रकोप मुख्य रूप से अधिक देखा जाता हैं। जबकि पशुओं मे सामान्यतः ***लाल पेशाब रोग, थनैला*** जैसी बीमारी भी होती है। वातावरण मे बढ़ते तापक्रम एवं पशु व पशुशाला की समुचित साफ–सफाई न होने के कारण बाह्य परजीवी, आदि समस्याएँ बढ़ जाती है जिसका प्रभाव सीधे पशुओं के स्वास्थ्य एवं दुग्ध उत्पादन पर पड़ता है।

इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य पशुपालको को उपरोक्त पशु संबंधित बीमारियों/समस्याओं के प्रति जागरूक करने के साथ साथ प्रभावित पशुओं का शिविर के माध्यम से उपचार करना था। आगंतुक पशुपालकों को पशुओं मे ***अन्तःकृमि नाशक, बाह्य परजीवी नाशक, पाचन संबंधी*** औषधियाँ एवं पोषण हेतु *मिनरल* ***मिक्चर, विटामिन, आदि*** का वितरण किया गया तथा इनके उपयोग की समूचित जानकारी भी दी गई। पशु चारा प्रबंधन हेतु **एम0पी0 चरी, मक्का, बरसीम, जई, मक्खन घास, लोबिया** तथा बहुवर्षीय चारा हेतु **हाईब्रिड नेपियर घास, सी0ओ0–3 व सी0ओ0–4** के उत्पादन की तकनीकी जानकारी आगंतुक पशुपालकों को दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से ***गला–घोंटू, खुरपका–मुँहपका, लंगड़ी*** बीमारी से बचाव हेतु पशुओं का टीकारण भी किया गया। उपस्थित जिले के पशुपालन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही पशु व पशुपालक हितैषी कार्यक्रमों की जानकारी इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को दी गई।

कार्यक्रम के माध्यम से कुल **135** पशुपालको के **435** विविध पशुओं (गाय, भैंस, बकरी व भेड़) का उपचार/निदान/सुझाव दिया गया। कार्यक्रम वैज्ञानिक डॉ0 प्रदीप कुमार राय, डॉ0 ज्योति तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर के डॉ0 देवकरन, डॉ0 मान्धाता सिंह, आदि के सहयोग से संपन्न किया गया।

बक्सर जागरण 4 दैनिक जागरण पटना, 8 सितंबर, 2021

बारिश और बाढ़ के बाद पशुओं को बीमारी से बचाने में जुटा विभाग

पशु स्वास्थ्य शिविर में पशुपालकों को दी गई बचाव के उपायों की जानकारी

जागरण संवाददाता, बक्सर : कृषि विज्ञान केंद्र बक्सर के सौजन्य से मंगलवार को इटाढ़ी के कुकुढ़ा गांव में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान पटना केविके से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पशुपालकों को मवेशियों के विभिन्न बिमारियों तथा उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी वहीं पशुपालकों को पशुओं के चारा प्रबंधन के साथ ही सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर पटना के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप रे ने बताया कि आमतौर पर वर्षात का मौसम तथा बाढ़ के बाद मवेशियों में गला-घोंटू, खुरपका, मुंहपका, थनैला तथा पाचन संबंधी बिमारियों से प्रभावित होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसकी वजह से दुग्ध उत्पादन के साथ ही मवेशियों का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। चुकी कोई भी पशु स्वयं इसके बारे में बता नहीं सकता, लिहाजा पशुपालकों को इन बिमारियों की पहचान के लिए सजग रहना जरूरी है। इससे बचाव के लिए पशुओं को कृमि नाशक दवा फेमेन्डाजोल की मात्रा दी जा सकती है। वयस्क पशुओं के लिए तीन ग्राम तथा छोटे पशुओं को उनके शरीर के वजन के अनुसार दवा की मात्रा गुड़ या रोटी के साथ मिलाकर दिया जाना चाहिए।

मौके पर मौजूद वैज्ञानिक डॉ. ज्योति ने किसानों को मौसम के बढ़ते तापमान और आर्द्रता के बीच पशुओं को बाह्य कृमि से बचाव के उपाय बताते हुए टैक्टिट नामक दवा की दो एमएल मात्रा पानी के साथ मिलाकर लगाने का सुझाव दिया। परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. देवकरण ने किसानों को पशु चारा प्रबंधन एवं उसके उत्पादन तकनीक से अवगत कराया वहीं इटाढ़ी के पशुपालन पदाधिकारी डॉ. शंभूशरण ने पशुपालकों को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में क्षेत्र के 63 पशुपालक अपने मवेशियों के साथ मौजूद रहकर दी गई जानकारियों से अवगत हुए।

शिविर में पशुओं की जांच करते कृषि वैज्ञानिक • जागरण

07 • पटना • गुरुवार • 09 सितंबर 2021 हिन्दुस्तान

पशुओं से इंसान में फैलने वाले रोग से अवगत

शिविर

बक्सर| हिन्दुस्तान संवाददाता

कृषि विज्ञान केन्द्र की ओर से संचालित जलवायु समुत्थानशील कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार परियोजना के अन्तर्गत नये चयनित भितिहरा गांव में बुधवार को एक दिवसीय पशुपालक कृषक वैज्ञानिक वार्तालाप सह पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप ने उपस्थित पशुपालक किसानों को पशुओं मे लगनेवाले रोग जैसे खुरपका-मुंहपका, गोलाघोंटू, थनैला, लंगड़ी आदि रोगों की पहचान व निदान के बारे मे जानकारी दी। उन्होंने पशुपालकों को टीकारकरण कराने के लिए भी प्रेरित किया। वैज्ञानिक डॉ. ज्योति ने पशुओं के स्थान को साफ रखने, पशुओं की साफ-सफाई तथा पशुओं से मनुष्यों मे फैलनेवाली बीमारियों जैसे एफएमडी तथा बुसलैसिस के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञ एवं निकरा परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. देवकरन ने ज्यादा दुग्ध उत्पादन व पशुओं के स्वास्थ्य को ठीक से रखने के लिए टीकाकरण तथा पशुओं के भोजन मे मिनरल मिक्सचर शामिल करने के बारे मे बताया।

डॉ. मान्धाता सिंह ने साल भर हरा चारा: उत्पादन के लिए हाइब्रिड नेपियर घास, जई, बरसीम, लोबिया, चरी, मक्का तथा मक्खन घास उगाने की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मक्खन घास मे प्रोटीन तथा कैल्सियम ज्यादा पाया जाता है, जिससे शरीर का विकास तथा दूध उत्पादन में फायदा मिलता है।

***